an>

Title: Need to regularize the workers of Food Corporation of India.

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल (महाराजगंज) : महोदय, मैं आपके माध्यम से खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री जी का ध्यान भारतीय खाद्य निगम, दिल्ली के घेवड़ा डिपो में व्याप्त लापरवाही एवं मजदूरों के शोषण की ओर दिलाना चाहता हूँ। भारतीय खाद्य निगम में 1985 से कार्यरत 617 नैमित्तिक मजदूरों के नियमितीकरण के लिए 1991 में प्रबंधन और कर्मचारी यूनियन ने एक समझौता किया। समझौते के मुताबिक 1992 में सभी मजदूरों का चिकित्सा परीक्षण करवाया गया। चिकित्सा परीक्षण के उपरान्त प्रबंधन ने 451 मजदूरों को नियमित कर दिया। बाकी बचे हुए मजदूरों को कहा गया कि आपको बाद में नियमित किया जाएगा।

बाकी बचे 166 मजदूर वही काम नैमित्तिक आधार पर आज भी कर रहे हैं। उन्हें प्रबंधन ने बिल्कुल ही भुला दिया है, जबकि सुप्रीम कोर्ट का निर्णय है कि समान काम का समान वेतन और सुविधा दी जाए। नियमितीकरण करने में भी वरीयता का ध्यान नहीं रखा गया। जिसको जहाँ से मर्जी प्रबंधन ने उठाकर नियमित कर दिया। मजदूरों के पूछने पर सही जवाब भी नहीं दिया जा रहा है। प्रबंधन अपनी मनमानी पर उतारू है। कुछ अधिकारी मजदूरों को धमकाते भी हैं।

अतः आपके माध्यम से हम मंत्री जी से और सरकार से यह माँग कर रहे हैं कि मजदूरों को न्याय मिले और बाकी मजदूरों को नियमित किया जाए ताकि इन गरीब मजदूरों को न्याय मिल सके और उनका जीवन-यापन आज के इस महँगाई के समय में ऊपर उठ सके। आपने हमें गरीब लोगों के विषय में बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

HON. CHAIRPERSON: S/Shri Chandra Prakash Joshi, Bhairon Prasad Mishra. Shri Sudheer Gupta are allowed to associate with the issue raised by Shri Janardan Singh Sigriwal.